www.rojgarsamachar.gov.in
www.employmentnews.gov.in

अंग्रेजी एवं उर्दू में भी प्रकाशित
वार्षिक शुल्क : ₹ 530

रोज़गार समाचार

साप्ताहिक

खंड 44 अंक 16 पृष्ठ 40 | नई दिल्ली 20 - 26 जुलाई 2019 | ₹ 12.00

ऑनलाइन दूरस्थ शिक्षण पाठ्यक्रम

डॉ. गिरिराज हल्कर

प्रत्येक बच्चे को अच्छी शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है. शिक्षा सकारात्मक चरित्र के निर्माण में मदद करती है. शिक्षा ज्ञान, कौशल, मूल्य और दृष्टिकोण हासिल करने की प्रक्रिया है. शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को उपयोगी नागरिकों में विकसित करना है जो समाज में खुद को बनाए रखने और राष्ट्र के विकास में हाथ बंटाने के लिये अपने ज्ञान, प्रतिभा और शिक्षण कौशल का उपयोग करते हैं. बढ़ती लागत और कड़ी प्रवेश अपेक्षाएं, कई छात्रों के लिये उच्चतर शिक्षा का मार्ग दुर्गम बना देती हैं. एमओओसीज (वृहत मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम), किसी भी व्यक्ति को संगत आयु अर्हता के अनुरूप, विश्व स्तरीय शिक्षा उपलब्ध कराने का अवसर प्रदान कर रहे हैं और इसने अपार संभावनाओं के द्वार खोल दिये हैं. किसी डिजिटल ऑनलाइन पाठ्यक्रम के लिये पंजीकरण छात्रों के लिये एक सामान्य बात है. मुक्त और निःशुल्क शिक्षण संसाधन बहुमूल्य और लोकप्रिय हैं. तो फिर, एमओओसीज इतनी अच्छी तरह से कैसे प्राप्त किये जाते हैं? उच्च शिक्षा के तकनीकी विकास में एमओओसीज का बहुत बड़ा योगदान है. ये उच्चतर शिक्षा प्रौद्योगिकी के हिस्सा हैं.

''एमओओसी'' शब्द की संरचना 2008 में कैनेडियाई शिक्षाविद डेविड कोरमियर ने की थी, जबकि पहला एमओओसी जॉर्ज सीमैन्स और स्टीफन डाउन्स ने यूनिवर्सिटी ऑफ मानिटोबा, कनाडा में पढ़ाया था, जहां 25 नियमित छात्रों की एक कक्षा को 1500 छात्रों को पढ़ाने के लिये ऑनलाइन विस्तारित किया गया था. एमओओसीज ऑनलाइन पाठ्यक्रम हैं जो कि सामान्यतः

कालेजों या विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित किये जाते हैं. ये पाठ्यक्रम सभी के लिये खुले हैं जो इनका निःशुल्क (अथवा कई बार मामूली फीस के साथ, यदि छात्र चाहता है कि उसे कुछेक ग्रेड के साथ कक्षा उत्तीर्ण किये जाने के संबंध में प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाये) अध्ययन करना चाहते हैं. चूंकि ये मुक्त और निःशुल्क हैं, इन पाठ्यक्रमों के सर्वाधिक लोकप्रिय होने से इनकी तरफ अक्सर दुनिया भर से हजारों छात्र आकर्षित होते हैं जो एक ''विशाल'' हिस्सा है. ज्यादातर एमओओसीज के कई भाग होते हैं, जिनमें वीडियो व्याख्यान, रीडिंग, कम्प्यूटर ग्रेडिड असाइनमेंट्स या क्विज़, प्लेटफार्म पर अन्य छात्रों के साथ चर्चाएं, अथवा महत्वपूर्ण ग्रेडिड असाइनमेंट्स शामिल होते हैं. एमओओसीज मात्र वीडियो व्याख्यान सीरिज से भिन्न होते हैं क्योंकि छात्र उन्हें केवल अपने स्वयं के पेस पर नहीं बल्कि समवर्ती रूप से लेते हैं, सभी छात्र एक ही समय पर शुरुआत करते हैं और एक ही समय पर उनके असाइनमेंट देय होते हैं ताकि अन्य छात्रों के साथ विषयवस्तु की चर्चा कर सकें और उनकी सहायता ले सकें. एमओओसीज 2012 के आसपास लोकप्रिय हुए, यद्यपि वे कई वर्ष पहले से मौजूद थे. अब अनेक प्लेटफार्म हैं जो एमओओसीज के संचालन के लिये कालेजों और विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी कर रहे हैं, परंतु सर्वाधिक लोकप्रिय कोर्सेरा, ईडीएक्स और उडासिटी हैं.

दूसरे, छात्रों के पास अपने कार्यभार में अधिक लचीलापन होता है, क्योंकि वे लाइव व्याख्यान के दौरान ऑनलाइन होने के विपरीत रिकॉर्ड किये गये वीडियो व्याख्यान को देखने के लिये चुनने में सक्षम होते हैं. वे यह भी चुन सकते हैं कि क्या उन्हें ग्रेड की चिंता किए बिना काम पूरा करना है या नहीं अथवा उन्हें सुदृढ़ करना छोड़ देना है. जिन अवधारणाओं और कौशलों से वे पहले से परिचित होते हैं तथा उस समय को असाइनमेंट पर उच्च गुणवत्ता के काम की ओर लगाते हैं, जो वास्तव में विषय की उनकी समझ को आगे बढ़ाते हैं. यह लचीलापन पहले से व्यस्त कार्यक्रम वाले लोगों के लिये एक बेहतर विकल्प है, जैसा कि पूर्णकालिक काम करने वालों और आश्रित छात्रों के साथ होता है.

कुल मिलाकर एमओओसी का निम्नानुसार उल्लेख किया जा सकता है:

- एम - स्केलेबिलिटी पर व्यापक केंद्रित, समुदाय और संपर्कों पर केंद्रित
- ओ- मुक्त पंजीकरण, विषयवस्तु, कोई शुल्क नहीं, क्रियाशीलता
- ओ- ऑनलाइन कोहोर्ट, रियल टाइम इंटरेक्शन
- सी- सेल्फ-पेस्ड, शुरुआती/समापन तिथि, कॉलेज क्रेडिट्स, बैज, शिक्षण समुदाय, स्ट्रिप्ड असेसमेंट और फीडबैक, अनुदेशकों की भूमिका

श्रेणियां

व्यापक मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (एमओओसीज) को आगे दो श्रेणियों में विभाजित किया जाता है:

(शेष पृष्ठ 37 पर)

अंदर देखें

बजट 2019-20: नए भारत की रूपरेखा पृष्ठ 2

देश में बैंकिंग क्षेत्र का विकास पृष्ठ 38

रोज़गार सारांश

एमडीएसएल

माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, मुंबई को **366** रिगर और इलेक्ट्रीशियनों की आवश्यकता
अंतिम तिथि: 26.07.2019
पृष्ठ: 22

जेएनयू

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय को **271** सहायक प्रोफेसरों, प्रोफेसरों और एसोशिएट प्रोफेसरों की आवश्यकता
अंतिम तिथि: 19.8.2019
पृष्ठ: 12-14

सेल

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड को **205** कार्यपालक और गैर- कार्यपालक पदों की आवश्यकता
अंतिम तिथि: 31.7.2019
पृष्ठ: 10-12

Follow us @Employ_News
facebook page
facebook.com/directorcemploymentnews

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में शिक्षा के अवसर

डॉ. विकास सिंघल और डॉ. रंजीता पांडा

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना 1985 में संसद के एक अधिनियम द्वारा की गई थी ताकि इसे शिक्षार्थियों के दरवाजे तक ले जाकर उन सभी लोगों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान की जा सके जो इसे उम्र, क्षेत्र, धर्म और लिंग की परवाह किए बिना चाहते हैं, पाठ्यक्रमों के लिए पेशेवर और व्यावसायिक अभिविन्यास देकर और भारत में दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए आवश्यकता-आधारित शैक्षणिक कार्यक्रम प्रस्तुत करके उच्च शिक्षा का लोकतंत्रीकरण किया जा सके.

अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति, लचीले प्रवेश नियमों, व्यक्तिगत अध्ययन के साथ राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र, स्थान, अध्ययन की गति और अवधि, नवीनतम सूचना और संचार तकनीकों का उपयोग, राष्ट्रव्यापी छात्र समर्थन सेवा नेटवर्क, लागत प्रभावी कार्यक्रम, कार्यक्रमों के लिए मॉड्यूलर दृष्टिकोण, संसाधन-साझाकरण, सहयोग और नेटवर्किंग के साथ पारंपरिक विश्वविद्यालयों, मुक्त विश्वविद्यालयों और अन्य संस्थानों/संगठनों, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से प्रासंगिक कार्यक्रमों पर छात्रों की आवश्यकता विश्लेषण, और खुले और पारंपरिक शिक्षा प्रणालियों के अभिसरण आदि इग्नू की कुछ अद्वितीय विशेषताएं हैं.

इग्नू ने 1987 में 4,528 छात्रों के पंजीकरण के साथ शैक्षणिक कार्यक्रम प्रारंभ किए, 56 क्षेत्रीय केंद्रों, भारतीय सेना, नौसेना और असम राइफल्स के लिए 11 मान्यताप्राप्त क्षेत्रीय केंद्रों और स्थिरता और विविधता को जोड़ने वाले लगभग 3500 लर्नर सपोर्ट सेंटर के साथ, विश्वविद्यालय 3 मिलियन से अधिक शिक्षार्थियों की संचयी शक्ति के लिए विभिन्न प्रकार की फलदायी अकादमिक शिक्षा प्रदान करता है. इग्नू अनुसंधान डिग्री, औपचारिक से अनौपचारिक; वोकेशनल से व्यावसायिक; और व्यावहारिक ज्ञान-आधारित कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों के लिए कौशल-आधारित जागरूकता और प्रशंसा कार्यक्रमों के प्रसार वाले कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों की एक प्रभावशाली कड़ी प्रदान करता है. विश्वविद्यालय ने जुलाई 2018 और जनवरी 2019 के प्रवेश चक्रों में 11,47,056 लाख से अधिक छात्रों को प्रवेश दिया. (इग्नू 32वें दीक्षांत कुलपति की रिपोर्ट)

आरक्षित श्रेणियों जैसे अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के शिक्षार्थियों को विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार शुल्क

(शेष पृष्ठ 39 पर)

इंदिरा गांधी ...

(पृष्ठ 1 का शेष)

प्रतिपूर्ति की सुविधा मिलती है. जेल के कैदियों को फीस में पूरी छूट प्रदान की जाती है. पोस्ट ग्रेजुएट स्तर के कार्यक्रमों के लिए राष्ट्रीय विकलांग जन रोज़गार संवर्धन केंद्र (एनसीपीईडीपी) की छात्रवृत्ति योजना इस विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए भी लागू है. ऐसे छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे प्रदाता प्राधिकरण को सीधे आवेदन करें. देश की जेलों में बंद कैदियों को पंजीकरण शुल्क सहित कार्यक्रम शुल्क के भुगतान से छूट होती है. सजा प्राप्त/अल्पकालिक कैदी भी निःशुल्कता के समान लाभ के लिए इस शर्त के साथ पात्र हैं कि जब वे जेल से बाहर जाते हैं, तो उन्हें सामान्य छात्रों के रूप में माना जाएगा और जहां कहीं भी लागू होगा (परीक्षा शुल्क, पुनः पंजीकरण शुल्क, पठन-पाठन के लिए प्रो-राटा शुल्क, दीक्षांत समारोह के लिए पंजीकरण शुल्क आदि) के लिए वे परवर्ती शुल्क का भुगतान करेंगे.

इग्नू ने स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर अंग्रेजी और हिंदी माध्यम में उच्च गुणवत्ता वाली स्व-निर्देशात्मक शिक्षण सामग्री तैयार की है. विश्वविद्यालय में मुद्रित सामग्री के स्थान पर स्व-शिक्षण सामग्री की सॉफ्ट कॉपी प्रदान करने का प्रावधान है. सॉफ्ट कॉपी के लिए शिक्षार्थी को कार्यक्रम शुल्क में 15% की छूट दी जाएगी. ऑनलाइन प्रवेश फॉर्म भरते समय शिक्षार्थियों द्वारा इस आशय का विकल्प इंगित किया जाना होता है. ऐसे शिक्षार्थियों को मुद्रित स्व-शिक्षण सामग्री नहीं दी जाएगी. यह विश्वविद्यालय शिक्षा और अनुसंधान के राष्ट्रीय संसाधन केंद्र की भूमिका निभाने के लिए अपनी जिम्मेदारी से अवगत है. वास्तव में, इसने ई-ज्ञानकोष मंच के माध्यम से ऑनलाइन स्व अध्ययन पाठ्यक्रम (सेल्फ-लर्निंग कोर्स) सामग्रियों का सबसे बड़ा भंडार विकसित किया है.

इग्नू में अध्ययन करने का एक सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि शिक्षार्थी यदि ऐसा चाहते हैं या कहीं स्थानांतरित हो जाते हैं तो उन्हें अपने क्षेत्रीय केंद्र/अध्ययन केंद्र को किसी भी मान्यता प्राप्त इग्नू क्षेत्रीय केंद्र/अध्ययन केंद्र में निःशुल्क बदलने की सुविधा होती है, वे सत्रावधि समापन परीक्षा में उपस्थित होने के लिए भारत में किसी भी इग्नू परीक्षा केंद्र का चयन कर सकते हैं.

इग्नू वर्तमान में प्रमाण पत्र, उच्च प्रमाण पत्र, डिप्लोमा और उच्च डिप्लोमा के साथ कई स्नातक और मास्टर डिग्री कार्यक्रम चला रहा है. शिक्षार्थी द्वारा पूरी सूची का आकलन इग्नू के सामान्य प्रोस्पेक्टस में किया जा सकता है. विश्वविद्यालय के मूल आदर्शों के साथ वंचितों तक पहुँचने और लचीलापन, नवीनता, समावेशिता, ज्ञान और गुणवत्ता आश्वासन के नियमित उन्नयन में सहायता के लिए, इग्नू ने जुलाई 2019 सत्र से विकल्प आधारित क्रेडिट सिस्टम (CBCS) स्नातक डिग्री कार्यक्रम शुरू किए हैं. ये कार्यक्रम वर्ष में केवल एक बार अर्थात् जुलाई के सत्र में ही प्रस्तुत किए जाते हैं.

इग्नू प्रवेश 2019 के लिए याद रखने वाले महत्वपूर्ण बिंदु

जो छात्र पहले से ही एक वर्ष या उससे अधिक अवधि के कार्यक्रम में नामांकित हैं, वे एक साथ छह महीने की अवधि वाले किसी भी प्रमाण पत्र/डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए खुद को पंजीकृत करा सकते हैं. हालांकि, यदि छात्र द्वारा लिए गए दो कार्यक्रमों के बीच काउंसलिंग या परीक्षा कार्यक्रम की तारीखों का कोई टकराव होता है, तो विश्वविद्यालय उनमें समायोजन करने की स्थिति में नहीं होगा. डिग्री स्तर पर दो शैक्षणिक कार्यक्रमों का अध्ययन करने, अर्थात् एक ही विश्वविद्यालय से या एक ओपन यूनिवर्सिटी (ओडीएल मोड के तहत) और दूसरे पारंपरिक विश्वविद्यालय से (नियमित या आमने-सामने का मोड) से एक साथ अध्ययन करने की अनुमति अब तक नहीं है.

कार्यक्रम का चयन

शिक्षार्थियों को जुलाई-2019 के इग्नू कॉमन प्रॉस्पेक्टस इग्नू वेबसाइट www.ignou.ac.in से डाउनलोड करने की सलाह दी जाती है. इग्नू द्वारा प्रस्तुत किए गए विभिन्न कार्यक्रम सामान्य दिशानिर्देशों और कार्यक्रम के विशिष्ट विवरणों के साथ प्रोस्पेक्टस में सूचीबद्ध किए गए हैं.

अध्ययन केंद्र का चयन

शिक्षार्थी किसी कार्यक्रम के लिए सक्रिय अध्ययन केंद्र की उपलब्ध सूची में से कोई भी अध्ययन केंद्र चुन सकते हैं. शिक्षार्थियों को उन्हें आवंटित किए गए उनके अध्ययन केंद्र में अपने सिद्धांत परामर्श सत्र के साथ-साथ व्यावहारिक सत्र में भी भाग लेने की आवश्यकता होती है. उन्हें अपने केंद्र में अपने असाइनमेंट भी जमा करने होंगे.

ऑनलाइन पंजीकरण

प्रवेश फार्म ऑनलाइन प्रवेश प्रणाली के माध्यम से http://onlineadmission.ignou.ac.in पर ऑनलाइन (अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को छोड़कर) जमा किए जा सकते हैं. वर्तमान में यह सुविधा योग्यता और प्रवेश परीक्षा आधारित कार्यक्रमों को छोड़कर कॉमन प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से प्रस्तुत किए जाने वाले कार्यक्रमों के लिए उपलब्ध है. प्रस्तावित सिस्टम में लॉग इन करने के लिए शिक्षार्थियों को अपना यूजर आईडी और पासवर्ड बनाने और प्रवेश पत्र जमा करने के साथ आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होते हैं. प्रवेश पत्र की मुद्रित प्रति क्षेत्रीय केंद्र को भेजने की आवश्यकता नहीं होती है.

शुल्क का भुगतान

कार्यक्रम शुल्क का भुगतान नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड के माध्यम से भुगतान गेटवे का उपयोग करके ऑनलाइन किया जा सकता है. कार्यक्रम शुल्क के साथ पंजीकरण शुल्क के रूप में रु. 200/- का शुल्क लिया जाता है. एक बार प्रवेश पत्र ऑनलाइन जमा हो जाने के बाद, छात्र अपने प्रवेश की प्रगति को ट्रैक कर सकते हैं.

दस्तावेज़-जांच और प्रवेश का अनुमोदन

केंद्रीकृत प्रवेश टीम को प्रवेश पत्र प्राप्त हो जाने के बाद, वह कार्यक्रम की पात्रता मानदंड के अनुसार इसकी पूरी तरह से जांच करता है. प्रवेश पत्र में किसी भी प्रकार की विसंगति के मामले में, भावी छात्रों को एक निश्चित समय के अंदर विसंगति को दूर करने की सलाह दी जाती है. ऐसा करने में विफल रहने पर प्रवेश पत्र अस्वीकार कर दिया जाएगा.

प्रवेश की पुष्टि होने पर सिस्टम में पंजीकृत आपके मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी पर एक संदेश भेजा जाता है. पुष्टि के बाद शिक्षार्थी अपना इग्नू पहचान पत्र ऑनलाइन डाउनलोड कर सकते हैं.

इग्नू कार्यक्रमों में, प्रमाणपत्र कार्यक्रमों को छोड़कर प्रवेश के लिए **अंतिम तिथि 31 जुलाई 2019** है. किसी भी पूछताछ के लिए शिक्षार्थी निकटतम इग्नू अध्ययन केंद्र, क्षेत्रीय केंद्र या छात्र पंजीकरण प्रभाग, इग्नू, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली से संपर्क कर सकते हैं. इग्नू डिग्री/डिप्लोमा/प्रमाण पत्र भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) के सभी सदस्य विश्वविद्यालयों द्वारा मान्यता प्राप्त हैं और यूजीसी के परिपत्र संख्या एफ.1-52/2000 (सीपीपी-II) दिनांक 5 मई, 2004, एआईयू परिपत्र संख्या ईवी/11 (449/94/ 176915-177115 दिनांक 14 जनवरी, 1994, एआईसीटीई परिपत्र संख्या एआईसीटीई/ अकादमिक/एमओयू-डीईसी/2005 दिनांक 13 मई, 2005 और यूजीसी/डीईबी/2013 दिनांक 14.10.2013 के अनुसार सभी भारतीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों की डिग्री/डिप्लोमा/प्रमाण पत्र के बराबर हैं.

(लेखक इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, दिल्ली-I में क्रमशः सहायक क्षेत्रीय निदेशक और क्षेत्रीय निदेशक हैं, ई-मेल: vsinghal@ignou.ac.in)

व्यक्त विचार व्यक्तिगत हैं.
(छायाचित्र: गूगल के सौजन्य से)

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, औरंगाबाद

रा.इ.सू.प्रौ.सं. NIELIT | ELECTRONICS INDIA

इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय , भारत सरकार डॉ. बी. ए. एम. विश्वविद्यालय परिसर औरंगाबाद
पिन-431004, महाराष्ट्र, वेबसाइट : www.nielit.gov.in/aurangabadlive, दूरभाष : 0240-2982021, 2982022

मौके पर प्रवेश 2019-20
(केवल रिक्त सीटों हेतु)

प्रौद्योगिकी जगत में एक प्रवेश

भारत सरकार द्वारा 1987 में सीईडीटी के रूप में अवस्थापित तथा क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिकी, सू. प्रौ. एवं औद्योगिक डिज़ाइन संस्कृति को बढ़ावा देना.

इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन प्रौद्योगिकी में एम. टेक.	• **पूर्ण कालिक:** गेट परीक्षा में उम्मीदवार का स्कोर. न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक (अजा/अजजा उम्मीदवारों हेतु 50 प्रतिशत) मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिकी/वैद्युत/दूरसंचार/यंत्रण अभियांत्रिकी के अंतर्गत अपनी बी.ई./बी.टेक. डिग्री में. **अंतर्ग्रहण: 25 सीटें.**	• **अंशकालिक:** पात्रता: बी.ई./बी.टेक. डिग्री के समापन के पश्चात कम से कम दो वर्षों हेतु शैक्षिक संस्था/उद्योग अनुसंधान एवं विकास संगठन में सेवारत. उम्मीदवार को नियोक्ता प्रायोजित होना चाहिए. **अंतर्ग्रहण: 24 सीटें.**
इलेक्ट्रॉनिकी प्रणाली अभियांत्रिकी में बी. टेक. (पार्श्व प्रविष्टि)	• न्यूनतम 45 प्रतिशत अंकों के साथ (अजा/अजजा उम्मीदवारों हेतु 40 प्रतिशत) इलेक्ट्रॉनिकी एवं संबद्ध धारा डिप्लोमा (3 वर्षीय) धारक बी. टेक. में पार्श्व प्रविष्टि (सीधे द्वितीय वर्ष) हेतु पात्र हैं. **अन्तर्ग्रहण: 40 सीटें.** • **बी. टेक. प्रथम वर्ष प्रवेश सीएसएबी 2019 द्वारा**	• परियोजना आधारित शिक्षण, पूर्ण चक्र उद्भावन उत्पाद अवधारणाकरण से प्राप्ति तक. • अग्रणी उद्योगों में प्रशिक्षुता, स्टार्ट-अप के इच्छुकों हेतु सहायता.
इलेक्ट्रॉनिकी उत्पादन एवं अनुरक्षण में डिप्लोमा	• मान्यताप्राप्त बोर्ड से 10वीं मानक प्रमाणपत्र (एसएससी) परीक्षा उत्तीर्ण गणित तथा विज्ञान विषयों में न्यूनतम 35 प्रतिशत के औसत अंक के साथ. **अन्तर्ग्रहण: 60 सीटें** • पार्श्व प्रविष्टि आईटीआई अथवा 12वीं उत्तीर्ण (पीसीएम) हेतु लिखित परीक्षा के आधार पर. **अन्तर्ग्रहण: 40 सीटें**	• इलेक्ट्रॉनिकी उत्पादन एवं अनुरक्षण के क्षेत्र में दक्ष आत्मनिर्भर मरम्मत एवं अनुरक्षण अभियंता बनने हेतु प्रशिक्षित.
प्रलेख सत्यापन तथा शुल्क जमा 29-07-2019 को पाठ्यक्रम प्रारंभ 01-08-2019 से	• पूर्व छात्र जो इसरो, रक्षा, बॉश, स्टलाइट, ट्रिमेक्स, ब्रोडकॉम, एचसीएल, वीडियोकॉन, बजाज अभियांत्रिकी कालेजों, एटीसी निगम में कार्यरत है. • उद्यमियों के रूप में कार्यरत अनेक लोग.	• एन के एन मिश्री पुस्तकालय सहसंघ तथा औद्योगिक श्रेणी मशीनें. • होटल एवं जिम्नेजियम सुविधाएं. • पूर्व स्थानन सहायता, एसएआई परिसर के समीप. आदर्श कैरिअर केंद्र.